

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय होंगे बिहार हेल्थ यूनिवर्सिटी के नियंत्रण में

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बिहार के स्वास्थ्य सचिव के सेंथलि कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव वमिलेश कुमार झा ने बताया कि चिकित्सा विज्ञान क्षेत्र के सभी संस्थान 1 अप्रैल, 2023 से आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से निकलकर पटना में नवस्थापित बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के नियंत्रण में चले जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव वमिलेश कुमार झा ने बताया कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, डेंटल कॉलेज, सरकारी नर्सिंग संस्थान, फार्मेसी संस्थान और पैरा मेडिकल संस्थानों को बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध कर दिया जाएगा। इस दिशा में तेजी से कार्रवाई की जा रही है।
- उन्होंने बताया कि राज्य के चिकित्सा संस्थानों को बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध करने के पूर्व सभी आवश्यक तैयारियाँ कर ली जाएँ। इसमें मानव बल की कमी को पूरा कर लिया जाए, नबिंधन और परीक्षा संचालित करने के लिये आवश्यक सॉफ्टवेयर इंस्टॉल कर लिया जाए।
- इस बैठक में बताया गया है कि स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अगस्त 2021 से ही गजट अधिसूचना के साथ प्रभावी हो गया था।
- वदिति है कि राज्य में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, 108 एनएनएम, जीएनएम व बीएससी नर्सिंग स्कूल और 20 फार्मेसी संस्थान संचालित हैं।
- वमिलेश कुमार झा ने बताया कि नये विश्वविद्यालय के पूरी तरह से कार्यरत होने के साथ ही राज्य में नये मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, नर्सिंग स्कूलों, फार्मेसी संस्थानों और पैरा मेडिकल संस्थानों को मान्यता देने में आसानी होगी। साथ ही समय पर परीक्षाएँ संचालित होंगी, जिससे वदियार्थियों को लाभ होगा।